बाबा की घूमे मोरछड़ी | By Sardar Romi |

मोरछड़ी मेरे श्याम की
कष्ट निवारणहार
जो झाड़ा लगवाए,
हो जाए उद्धार।
****
इस कलियुग में घड़ी-घड़ी,
बाबा की घूमे मोरछड़ी।
बाबा की घूमे मोरछड़ी,
सांवरिये की घूमे मोरछड़ी।

मोरछड़ी जब घूमती है,
भक्त की पीड़ा छूमंतर होती है।
मोरछड़ी की फटकार से,
अंधकार भी दूर होता है।

करे रक्षा हर घड़ी,
बाबा की घूमे मोरछड़ी।
इस कलियुग में घड़ी-घड़ी,
बाबा की घूमे मोरछड़ी।

यह बाबा की मोरछड़ी,
भक्तों के संग ही चलती है।
इसकी शक्ति है अपार,
दुष्टों का काल बन चलती है।

बात बना दे बड़ी-बड़ी,
बाबा की घूमे मोरछड़ी।
इस कलियुग में घड़ी-घड़ी,
बाबा की घूमे मोरछड़ी।

रखो भरोसा मोरछड़ी पर,
इसकी महिमा है भारी।
क्या बोलूं मैं बनवारी,
श्याम को लगती सबसे प्यारी।

नाव चला दे बड़ी-बड़ी,
बाबा की घूमे मोरछड़ी।
इस कलियुग में घड़ी-घड़ी,
बाबा की घूमे मोरछड़ी।

मोरछड़ी हाथों में रखे,
सारा जग जिसको जाने।
ना सोवे, ना खाए-पिए,
हर बालक इसका गुण गाए।

तोषी नाचे खड़ी-खड़ी,
बाबा की घूमे मोरछड़ी।
इस कलियुग में घड़ी-घड़ी,

बाबा की घूमे मोरछड़ी।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%98%e0%a5%82%e0%a4%ae%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a4%9b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-by-sardar-romi/